हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, मई 11, 2025

तापमान
अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 23 .7 डिग्री

12 श्री काली देवी विद्या मंदिर में भाषणों कविताओं...

12 अग्रोहा टीला न सिर्फ अग्रवाल समाज बल्कि पूरे हरियाणा...

खबर संक्षेप

नवनियुक्त मंडलायुक्त का किया अभिनंदन

हिसार। सामाजिक संस्था सजग के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त हिसार मंडलायुक्त अशोक गर्ग को पौधा भेंट कर अभिनन्दन करते हुए उन्हें उनके नए पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधियों ने मंडलायुक्त से क्षेत्र के सामाजिक सरोकारों, विकास कार्यों एवं शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। संस्था सजग के प्रदेशाध्यक्ष वास्तु आर्किटेक्ट सत्यपाल अग्रवाल के नेतृत्व में प्रवक्ता रतन बंसल खेड़ा वाले एवं महिला विंग प्रभारी प्रीति लव मित्तल ने क्षेत्र में विकास की संभावनाओं, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक समन्वय जैसे मुद्दों पर मंडल आयुक्त से संवाद किया।

अंडर-19 व अंडर-16 क्रिकेट टीम के लिए 13 को ट्रायल

हांसी। हरियाणा क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर-19 व अंडर-16 के लिए ट्रायल हिसार जिले में 13 मई को सुबह 8 बजे ईलाइट क्रिकेट एकेडमी सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किए जाएंगे। यह क्रिकेट प्रतियोगिता हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के नियमों व मापदंडों द्वारा करवाई जाएगी। हरियाणा क्रिकेट संघ के सदस्य एवं हिसार जिला क्रिकेट संघ के सचिव संजय शर्मा ने बताया ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन भी हरियाणा क्रिकेट संघ द्वारा निर्धारित चयनकर्ता द्वारा होगा। जो खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा लेना चाहते है वह अपने साथ अपना मूल जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड साथ लेकर आएं तथा सभी खिलाड़ियों का सफेद वर्दी में आना अनिवार्य होगा।

दो उद्धघोषित आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

हांसी। जिला भर में उद्धघोषित अपराधी व बेल जंपर के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पीओ स्टाफ हांसी पुलिस ने अलग-अलग मामलों में उद्धघोषित दो आरोपी उमरा निवासी मुख्तयार व सिसाय निवासी अक्षय गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी मुख्तयार को चेक बाउंस व अक्षय को थाना शहर हांसी में दर्ज चोरी के एक मामले में उद्धघोषित आरोपी करार दिया हुआ था।

गुजवि ने परीक्षा परिणाम किए घोषित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित बीएससी कंप्यूटर एप्लीकेशंस कोर्स कोड-232 तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर व मेन) बैच 2022 व 2023, बीएससी इलेक्ट्रोनिक्स कोर्स कोड-234 तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर व मेन) बैच 2022 व 2023, बीएससी मेडिकल विद बायोटेक्नोलॉजी कोर्स कोड-236 तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर व मेन) बैच 2022 व 2023 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

कबाड़ की दुकान में रखे सीएनजी सिलेंडर में धमाका, दो घायल

धमाके के बाद 100 फीट दूर मकान की छत पर गिरा सिलेंडर, लोगों में अफरा-तफरी मची

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हांसी

तोशाम रोड पर शनिवार सुबह एक कबाड़ की दुकान में रखे सीएनजी सिलेंडर में धमाका हो गया। धमाके के बाद सीएनजी सिलेंडर दुकान के शेड को तोड़ते हुए उछलकर पास के एक मकान की छत पर जा गिरा। सिलेंडर फटने से शेड के नीचे काम कर रहे दो लोग घायल हो गए, जिन्हें आस-पास के लोगों ने उपचार के लिए तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं अचानक हुए से तोशाम रोड़ व ऑटो मार्केट के दुकानदारों व राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर दौड़ते नजर आए। कबाड़ की दुकान में विस्फोट की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया किसी प्रकार की जान-माल का नुकसान नहीं होने पर दुकान मालिक राजकुमार को सीएनजी सिलेंडर को अच्छे से चैक कर दुकान में रखने चेतावनी दी।

ऑटो मार्केट में कबाड़ का काम करने राजकुमार ने बताया कि वह पुरानी गाड़ियों का कबाड़ खरीदने का काम करता है। कबाड़ में खरीदी गई गाड़ियों से निकाले गए सीएनजी सिलेंडर उसकी दुकान पर रखे हुए थे। राजकुमार ने बताया कि उन्हें लगा कि गाड़ियों से निकाले गए सीएनजी सिलेंडर खाली है लेकिन एक सिलेंडर में कुछ गैस बाकी थी। गर्मी की वजह से अचानक उसमें विस्फोट हो गया। विस्फोट की आवाज दूर तक सुनाई दी जिसके चलते आस-पास के लोग दहशत में आ गए। उन्होंने बताया कि विस्फोट के दौरान दुकान में काम कर रहा थुराना निवासी मोनू व उसे चोटें आई हैं। राजकुमार ने बताया कि विस्फोट के सिलेंडर दुकान के शेड को तोड़ता हुआ करीब 100 फीट दूर एक मकान की दूसरी मंजिल की छत पर जा गिरा, जिससे मकान की छत तथा छत के उपर बनी दीवार टूट गई। दीवार टूटने से काफी ईंटें पास के मकान के आंगन में जा गिरी। लेकिन गनीमत रही कि छत की उस वक्त घर के आंगन में घर का कोई सदस्य मौजूद नहीं था अन्यथा हादसा बड़ा हो सकता था।

हांसी। सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट के बाद बिखरा पड़ा मलबा व सीएनडी सिलेंडर में हुए धमाके के बाद क्षतिग्रस्त दुकान का शेड। फोटो :हरिभूमि

छत में लगा पत्थर टूटने से नीचे गिरा मजदूर, घायल

हांसी। हांसी भिवानी रोड़ स्थित मिलकपुर गांव में मकान की छत तोड़ने के दौरान छत में लगा पत्थर टूटने से एक मजदूर के छत से नीचे गिर कर एक मजदूर के घायल होने के मामला प्रकाश में आया है। घायल मजदूर को मकान मालिक द्वारा उपचार के लिए हांसी के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन हाजमपुर निवासी 34 वर्षीय मंगत राम ने बताया कि वह मजदूरी का काम करता है तथा उसने मिलकपुर निवासी डॉ विजय के मकान को तोड़ने का ठेका लिया हुआ था और शनिवार सुबह 11 बजे के करीब वह अपने गांव के अन्य मजदूर के साथ मकान की छत पर लगे पत्थर हटाने का काम कर रहा था कि इस दौरान उसके पांव रखते ही छत में लगा पत्थर टूट गया और पत्थर टूटने के चलते उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पत्थर के साथ ही छत से जमीन पर आ गिरा जिससे उसके हाथ पांव व कमर में चोटें आई हैं।

हांसी। कार के शीशे पर लगी ब्लैक फिल्म को उतारते ट्रैफिक वाहन इंटरसेप्टर इंचार्ज खुर्शीद आलम। फोटो :हरिभूमि

ब्लैक फिल्म लगी कार का पुलिस ने किया 25 हजार का चालान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हांसी

विशेष अभियान के दौरान हांसी यातायात पुलिस ने रामायण टोल प्लाजा के पास वाहनों की चैकिंग के दौरान ब्लैक फिल्म लगी गाड़ी का ट्रैफिक वाहन इंटरसेप्टर इंचार्ज खुर्शीद आलम ने मोटरवाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 25000 रुपये का चालान कर कार को इंपाउंड कर लिया। कार का चालान कर इंपाउंड करने से पहले ट्रैफिक पुलिस हांसी द्वारा कार के शीशों पर लगी ब्लैक फिल्म उतारी गई और उसके बाद कार का चालान कर कार के दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाए जाने पर उसे इंपाउंड किया गया। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया है कि गाड़ी के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाना यातायात नियमों के खिलाफ है, जिसके लिए हरियाणा पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया है। इस संबंध में यातायात पुलिस व थाना प्रबंधकों तथा चौकी प्रभारियों को आदेश दे दिए गए हैं। अगर कोई भी वाहन चालक अपनी गाड़ी पर ब्लैक फिल्म लगाए हुए मिलता है तो उसके खिलाफ मोटरवाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए चालान किया जाए।

मुंढाल में लड़की ने पी कीटनाशक मिली लस्सी बच्चे ने डाल दी थी गेहूं में रखने वाली गोलियां

हांसी। भिवानी जिले के गांव मुंढाल में एक लड़की द्वारा गलती से कीटनाशक मिली लस्सी पी लिए जाने का मामला सामने आया। घर में खेल रहे बच्चे ने गलती से गेहूं में डालने वाली कीटनाशक गोलियां लस्सी के गिलास में डाल दी। कुछ देर बाद खाना खाने के लिए आई 16 वर्षीय लड़की ने उस लस्सी को पी लिया। और खाना खाने के कुछ देर बाद जब युवती की तबीयत बिगड़ने तो आनन फानन में लड़की के माता पिता उसे उपचार के लिए हांसी के नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद लड़की की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हिसार के लिए रेफर कर दिया गया। जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। नागरिक अस्पताल में मौजूद लड़की के पिता ने बताया कि वे गांव मुंढाल खुर्द के रहने वाले हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले गेहूं में रखने के लिए कीटनाशक गोलियां खरीदी थी। उन्होंने इन गोलियों को घर में सुरक्षित स्थान पर रखा हुआ था। लेकिन घर में खेल रहे छोटे बच्चे ने कैसे इन गोलियों को उठा लिया और उसके बाद कैसे लस्सी में डाल दिया उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं।

दुकानदारों में मची अफरातफरी

मॉडल टाउन और रेड स्क्वेयर मार्केट से हटवाया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| हिसार

शहर में अतिक्रमण करने वाले पर नगर निगम प्रशासन की सख्ती लगातार जारी है। शनिवार को निगम की टीम ने मॉडल टाउन तथा रेड स्क्वेयर मार्केट में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

निगम की कार्रवाई के चलते कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया और वे अपना-अपना सामान व रेहड़ियां लेकर इधर-उधर खिसकने लगे। तहबाजारी इंचार्ज सुरेन्द्र शर्मा ने बताया शनिवार को टीम के द्वारा दिल्ली रोड मॉडल टाउन और रेड स्क्वेयर मार्केट से अतिक्रमण हटवाया गया। इस दौरान तहबाजारी टीम द्वारा मुनादी करके अतिक्रमण न करने की अपील की जा रही है। तहबाजारी टीम के इंचार्ज सुरेंद्र शर्मा के अनुसार सिरसा चुंगी से लेकर जिन्दल पुल तक रोड पर अतिक्रमण नहीं था।

हिसार। खोखा को उठाकर लेकर जाती निगम की टीम। फोटो : हरिभूमि

गली में पटाखे बजाने से रोका तो चार युवकों ने बर्फ तोड़ने वाले सुए से किया हमला

नारनौंद। कस्बे के वार्ड नंबर एक में कुछ युवक पटाखे बजा रहे थे। जब एक युवक ने उनको रोकना चाहा तो उन्होंने बर्फ तोड़ने वाले सुए से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में चार युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। नारनौंद के वार्ड नंबर एक निवासी बिजेंद्र ने बताया कि वह हिसार में एक फैक्ट्री में कार्य करता है। पांच मई को वह अपने घर आया हुआ था और अपने परिवार के घर पर बैठे हुए थे कि गली में कुछ शरारती तत्व पटाखें फोड़ रहे थे और हुड़दंग बाजी भी कर रहे थे। बाहर आकर देखा तो नारनौंद के ही विशाल, रोहित, आकाश ये काम कर रहे थे। जब उनसे कहा कि वे यहां से कही दूर चले जाए तो उन्होंने मेरे साथ गाली गलौज करके मार पिटाई करनी शुरू कर दी। मैं अपना बचाव करते हुए वहां से भाग कर घर आ गया। वे भी मेरा पीछा करते हुए घर पर आ गए। फिर घर में घुसकर मार-पिटाई करने लगे। आरोप है कि एक अज्ञात को साथ लेकर उन्होंने सुए से हमला कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर वहां पर काफी भीड़ आ गई। भीड़ को देखकर वह चारों दो मोटरसाइकिलो पर सवार होकर वहीं से भाग गए। तुरंत ही हम तीनों को इलाज के लिए नारनौंद के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। इसकी सूचना पुलिस को दी पुलिस ने विजेंद्र के बयान पर चारों युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। इस संबंध में जांच अधिकारी कुलदीप ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही चारों आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा।

मरम्मत के चलते आज बिजली रहेगी बाधित

हिसार। रविवार को 33 केवी ऑटो मार्केट पावर हाउस में आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाना है, जिस कारण सुबह 7 बजे से लगभग 10 बजे के आसपास तक यहां से चलने वाले सभी 11 केवी फीडर्स की सप्लाई बाधित रहेगी। इस दौरान दिल्ली गेट, सिटी थाना, नागोरी गेट, डॉक्टर हॉट लाइन, डीएन चौक, बीकानेर चौक, तलाकी गेट फीडर एरिया प्रभावित रहेगा। निगम के अनुसार तकनीकी कार्य के दौरान कभी दिए गए समय से अधिक समय भी लग जाता है यदि ऐसा होता है तो आपका सहयोग अपेक्षित है।

पानी से परेशान महिलाओं का मटका फोड़ प्रदर्शन

विभाग पर समस्या का समाधान नहीं करने का आरोप

- लंबे समय से पेयजल की किल्लत से जूझ रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| आदमपुर

पिछले लंबे समय से पेयजल किल्लत से परेशान क्षेत्र के लोगों खासकर महिलाओं के सब्र का बांध टूट गया। शनिवार को परेशान महिलाओं ने मटका फोड़ प्रदर्शन किया तथा जनस्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं ने चेतावनी दी कि प्रशासन ने समस्या का समाधान नहीं किया तो वे डीसी कार्यालय पर मटके लेकर प्रदर्शन करेंगी। इससे पूर्व प्रदर्शन में शामिल शिव कॉलोनी निवासी विमला, सीता, कमला, गीता, मोहिनी, सरस्वती का कहना था कि पिछले लंबे समय से उन्हें पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। जब से पानी की पाइप लाइन बदली जा रही है घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है जिसके चलते उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है रहा है। इसके अलावा कभी गंदा पानी तो कभी सीवरेज का पानी सप्लाई के साथ मिक्स होकर आ रहा है। कभी-कभी तो पानी की सप्लाई भी नहीं आती। इसी तरह कॉलेज रोड खीचड़ कॉलोनी की राजबाला, रेखा, ममता, पिंकी, संतोष आदि महिलाओं ने चेतावनी दी कि अगर पानी सप्लाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तथा स्वचछ पानी उपलब्ध नहीं करवाया गया तो वे जिला उपायुक्त कार्यालय पर मटका लेकर प्रदर्शन करने जाएंगी।

आदमपुर। पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन करते शिव कॉलोनीवासी।

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा

ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत

फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि

पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक

अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 **bps** रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टपोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए

हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

- डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।
- बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।
- लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।
- सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर

लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ

अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी

अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपत्ति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प

अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध

अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स

■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें

लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें

ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार

बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्पररी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

जानकारी | बिजनेस डेस्क

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

"इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

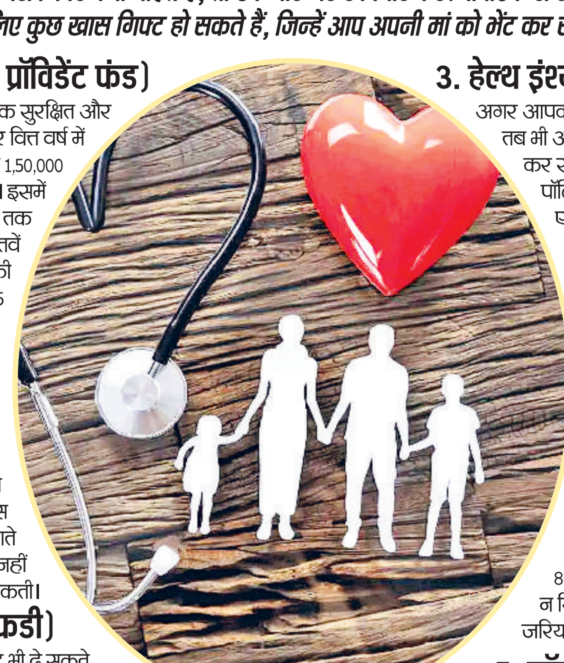

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस

अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)

अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट

घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती

यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट

यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा

यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश

डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश

इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें

- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं

1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

खबर संक्षेप

हेरोइन सप्लाई करने के आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों के साथ सप्लायरों की धरपकड़ को लेकर एसपी द्वारा दिए निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए रतिया पुलिस ने एक सप्लायरको गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कृष्ण पुत्र सुखदयाल निवासी रत्ताखेड़ा के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी एसआई रणजीत सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 5 मई को एनडीपीएस एक्ट के तहत ममाला दर्ज किया था। पुलिस टीम एएसआई जतिन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई की।

नकदी चुराकर भाग रहा युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। टोहाना में डांगरा रोड स्थित बस स्टैण्ड के सामने एक चाय की दुकान से नकदी चोरी कर भाग रहे युवक को लोगों ने काबू कर लिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए युवक की पहचान सचिन पुत्र भोजराज निवासी भूना रोड, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 500 रुपये की नकदी बरामद की है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 9 मई को आजाद नगर टोहाना निवासी दीनानाथ की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

फर्जी कागजात तैयार कर नपा की दुकान हड़पी

फतेहाबाद। जाखल में फर्जी कागजात तैयार करवाकर नगरपालिका की एक दुकान को हड़पने का मामला सामने आया है। इस मामले में जाखल पुलिस ने एक महिला सहित चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में जाखल मण्डी निवासी आकाश गर्ग ने कहा है कि उसके पिता के पास जाखल नगरपालिका की दुकान नं. 6 है। नगरपालिका ने 2007-08 में यह दुकान दी थी। वर्ष 2020 में उसे पता चला कि सुरेखा व उत्तम ने गलत दस्तावेज तैयार करवा सकते हैं। इस पर उसने अगस्त 2020 में नगरपालिका को हल्फिया बयान देकर दुकान को किसी अन्य के नाम ट्रांसफर न करने की बात कही थी।

सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण पाबंदी

सिरसा। सिरसा में धारा 163 के तहत ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण रुप से पाबंदी लगाई गई है। पुलिस व जिला प्रशासन ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि अगर वे किसी संदिग्ध ड्रोन या वस्तु को उड़ते हुए देखते हैं, या किसी व्यक्ति को इन्हें उड़ाते हुए देखते हैं, तो वे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना दें। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। , पुलिस व जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए पूरी तरह सतर्क हैं और जिले में शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने नागरिकों से इस दौरान शांति बनाए रखने और प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। सूचना देने वाले नागरिक को जिला प्रशासन द्वारा नकद राशि के साथ सम्मानित किया जाएगा। यह कदम सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

अराजकता फैलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए

एसपी ने शहर में पैदल मार्च निकालकर आमजन को दिया सुरक्षा का भरोसा

सभी थाना प्रभारियों को भीड़-भाड़ वाले स्थानों व अपने एरिया में निरंतर गश्त करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने व आमजन को सुरक्षा का एहसास दिलाने के लिए बड़सी गेट हांसी से शहर के व्यापारी गण, सर्राफा व्यापारी, आमजन व पुलिस प्रशासन के साथ चौपटा बाजार, सदर बाजार से होते हुए उमरा गेट हांसी तक सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए पैदल मार्च निकाला।

इस दौरान पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की वही अराजकता फैलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस प्रशासन का सहयोग करने व निर्भिक होकर अपना कार्य करने की सलाह दी।

हांसी। शहर में फ्लैग मार्च निकालते एसपी अमित यशवर्धन व अन्य।

हांसी पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले भर में रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक स्थल, सामाजिक महत्व के स्थल सहित अन्य संवेदनशील स्थानों व उसके आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है। सभी थाना प्रभारियों को भीड़-भाड़ वाले स्थानों व अपने एरिया में निरंतर गश्त करने, चेकिंग करने व अफवाह फैलाने वाले लोगों पर कार्रवाई करने व सोशल मीडिया पर निरंतर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। कोई भी छोटी बड़ी घटना होने पर उसकी तुरंत सूचना उच्च अधिकारियों को देने और कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। हांसी पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

हिसार। मॉक ड्रिल करते एनसीसी आर्मी विंग। फोटो : हरिभूमि

राजकीय कॉलेज में एनसीसी आर्मी विंग ने की मॉक ड्रिल

हिसार। गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालय की एनसीसी आर्मी विंग (थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन) के संयुक्त तत्वाधान में उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी ने कहा कि निदेशालय के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के लिए सुरक्षा उपायों की जानकारी देने के लिए मॉक ड्रिल व जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। उन्होंने कैडेट्स को जागरूक रहने व देश सेवा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. स्नेह लता ने आपातकालीन स्थिति में निपटने की जानकारी।

आदमपुर। प्रतियोगिता के प्रतिभागियों से प्रश्न पूछते क्विज मास्टर राकेश शर्मा।

टीम अग्नि से प्रीतम व लक्ष्मी मारी बाजी

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आदमपुर पॉलीटेक्निक में क्विज कंपटीशन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आदमपुर

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर द्वितीय दिन भी विज्ञान व तकनीकी उत्सव की श्रृंखला में रोचक और ज्ञानवर्धक क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसे हरियाणा काउंसिल फॉर साइंस इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर व एनएसएस अधिकारी राकेश शर्मा के नेतृत्व में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान के प्रति उत्साह भर दिया। राकेश शर्मा ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई, वहीं सुनील कुमार और हवा सिंह नांदल ने स्कोरिंग की जिम्मेदारी निभाई। फाइनल राउंड में संस्थान के सभी विभागों की सात टीमों ने भाग लिया, जिन्हें भारत की प्रमुख मिसाइलों जैसे अग्नि, ब्रह्मोस, पृथ्वी, प्रहार, त्रिशूल, निर्भय और नाग आदि के नाम दिए गए। फूड टेक्नोलॉजी विभाग की टीम अग्नि से प्रीतम व अक्स प्रथम रहे। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को टीम ब्रह्मोस से राजेश व कार्तिक और सिविल इंजीनियरिंग विभाग से टीम त्रिशूल के मनीष व जतिन द्वितीय रहे। टीम नाग से कंप्यूटर की छात्राएं जावित्री व महक तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष सुरेश पुनिया, रमेश कुमार, बिजेंद्र चंदेलिया, गुलशन भयाना, सोमबीर, सुनील कुमार आदि रहे।

आतंक बढ़ाने वाले पाक को सबक सिखाना आवश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- देश ने एकजुटता का दिया परिचय: खोवाल

एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल

पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के सफाए के लिए सेना द्वारा की जा रही कार्रवाई को हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट ने वर्तमान परिस्थितियों में जरूरी बताया है। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि आतंकवादियों को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हर नापाक इरादे को नाकाम करने में सेना के साथ-साथ देशवासी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देशवासियों ने सांप्रदायिक एकता दिखाकर पाकिस्तान के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भ्रामक सूचनाएं प्रेषित करके द्वेष फैलाने की हर तरह कोशिश को नाकाम करने वाला हर देशवासी प्रशंसा

तिरुपति धाम में झांकियों के साथ निकाली भव्य सवारी शोभा यात्रा

हिसार। विभिन्न संस्कृतियों को एकसूत्र में बांधने वाले श्री तिरुपति बालाजी धाम में वेंकटेश भगवान जी की सवारी शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। शाम को मंत्रोच्चारण के साथ वेंकटेश भगवान जी को रथ पर स्थापित पालकी में विराजमान किया गया। साथ ही माता श्रीदेवी व माता भूदेवी के विग्रह भी शोभायमान किए गए। सवारी शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं ने जय गोविंदा, श्रीमन्ननारायण व जय भगवान वेंकटेश के जयघोष किए।

हिसार बाइपास पर मिला अज्ञात शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

हिसार बाईपास सड़क किनारे दीवार के पास संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति की लाश मिली है। मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई थी। पुलिस ने सूचना पाते ही डीएसपी सुमित और थाना प्रभारी दिलबाग सिंह ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर कार्रवाई आरंभ कर दी।

सीन ऑफ क्राइम टीम ने भी मौके पर पहुंचकर घटना के आसपास मिले सबूतों को अपने कैमरे में कैद किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए हिसार नागरिक अस्पताल में भेज दिया गया है।

बरवाला। मौके पर कार्रवाई करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

मृतक के पास लिफाफे में मिले कागजों को देखकर मौके पर मृतक के परिजनों को बुलाया गया। मृतक के परिजन मौके पर आए तो मृतक की शिनाख्त गांव बिच्छपडी निवासी संदीप (32) के रूप में हुई। संदीप ट्रक पर चालक का काम करता था। संदीप ने ट्रक को शुक्रवार रात्रि साढे.11 बजे हिसार बाइपास से दूर एक पेट्रोल पंप पर खड़ा कर दिया था। उसके बाद तो संदीप सुबह मृत अवस्था में मिला। मृतक संदीप के तीन बच्चे दो लड़कियां और एक लड़का है। एसआई उपेंद्र ने बताया कि संदीप की मौत किन कारणों से हुई इसका खुलासा तो मृतक संदीप की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

अखिल भारतीय सेवा संघ कार्यकारिणी घोषित

हिसार। धार्मिक एवं सामाजिक संस्था अखिल भारतीय सेवा संघ की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। पिछले दिनों प्रांतीय अध्यक्ष नियुक्त हुए राजेन्द्र सपड़ा ने राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. योगेश बिदानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्द्र गोयल, महासचिव विनोद धवन व प्रांतीय संरक्षक महेन्द्र सेतिया से विचार-विमर्श के बाद प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा की। इससे पहले महेन्द्र सेतिया को प्रांतीय संरक्षक व प्रांतीय महामंत्री मुकेश वर्मा व प्रांतीय कोषाध्यक्ष रामचन्द्र गुप्ता की पहले की जा चुकी है। प्रांतीय अध्यक्ष राजेन्द्र सपड़ा ने कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए ओमप्रकाश वधवा को प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. रामकिशन कंबोज आदि रहे।

टोहाना पुलिस ने वाहन चोर को कुछ ही घंटों में किया काबू

फतेहाबाद। वाहन चोरों की धरपकड़ करते हुए टोहाना पुलिस ने वाहन चोर को कुछ ही घंटों में काबू करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान कुलदीप सिंह पुत्र नछतर सिंह निवासी टिब्बी हरी सिंह जिला मानसा, पंजाब के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पैक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 9 मई को पटेल नगर टोहाना निवासी हैप्पी की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार गया था। उसने मोटरसाइकिल को चण्डीगढ़ रोड फ्लाईओवर के नीचे खड़ा करके दुकान पर मोबाइल ठीक करवाने चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल चोरी हो गया था। इस मामले में टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच अधिकारी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे कुछ ही समय में आईटीआई के पास से गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस ने साइबर ठग को दबोचा

दुकानदार को जीरा, धनिया भेजने के नाम पर 1 लाख ठगे, यूपी का युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना के दुकानदार से 1 लाख 5 हजार की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान रणजीत कुमार पुत्र अरविंद निवासी अतरौली जिला कन्नौज, यूपी के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। साइबर थाना फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर सतीश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 27 अप्रैल को खैरी चौक, भूना निवासी लीलाकृष्ण की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी भूना में गेहूं-चना पिसने के लिए जय बाबा राणाधीर एग्रो नाम से 5 चक्कियां हैं। उसने जीरा व धनियां की पिसाई करनी थी। जीरा व धनियां खरीदने के लिए उसने 7 अप्रैल को इंडिया मार्ट एप पर ट्रेडिंग कम्पनी सर्च की तो उसका सम्पर्क जैन ट्रेडिंग कम्पनी से हुआ। उन्होंने उसे सामान के बिल की कॉपी

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में दुकानदार से धोखाधड़ी का आरोपी। फोटो : हरिभूमि

व अपना आधार कार्ड व्हाटसएप पर भेजा, जिसको उसने वेरिफाई किया। इसके बाद उसने जीरा व धनियां खरीदने के लिए उक्त फर्म के अकाउंट में 1 लाख 5 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस पर उससे कहा गया कि वह कल उसका सामान भेज देंगे। इसके बाद से उनका फोन नंबर बंद आ रहा है। कई दिन बीतने के बाद भी जब उसे जीरा व धनिया नहीं मिला तो उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला और उसने इस बारे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने धोखाधड़ी बारे केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

युवक पर तेजधार हथियार से हमला पुलिस ने चार पर केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

गांव कुम्हारिया में एक युवक पर चार लोगों ने तेजधार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि पुलिस घायल को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाने लेकर गई, मगर वहां दाखिल करने से इनकार कर दिया गया। फिर उसे घायल अवस्था में पहले बड़ोपल पीएचसी लाया गया। वहां से फतेहाबाद भेजा गया। फिर फतेहाबाद से अग्रोहा रेफर किया गया, तब जाकर उसको भर्ती करके इलाज शुरू किया गया। पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कुम्हारिया निवासी पृथ्वी सिंह ने बताया कि वह 7 मई की रात को अपनी मौसी के घर से अपने घर स्कूटी पर जा रहा था। रास्ते में तीन-चार लोगों ने पीछे आकर अंधेरे का फायदा उठाकर उस पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि गांव के ही रोहताश उर्फ बिल्लू, सुनील, कीमत सिंह और एक अन्य ने उसके सिर पर वार किया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। उसका एक दांत भी टूट गया। शोर सुनने के बाद पहुंचे आसपास के लोग आए, जिनमें से किसी ने डायल 112 पर सूचना दी। उसके बाद पुलिस आई और उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज लेकर गई। मगर वहां उसे दाखिल करने से मना कर दिया। उसके बाद गांव के देवीलाल और राजपाल उसे बड़ोपल पीएचसी में लेकर आए। यहां से उसे फतेहाबाद भेज दिया। पृथ्वी ने बताया कि वह खून से लथपथ दर्द से कराहता रहा, उसके बाद उसे फतेहाबाद सिविल अस्पताल से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में दाखिल करवाया गया। उसके चार जगह चोटें आई हैं। पृथ्वी सिंह ने आरोप लगाया कि आरोपी नशा तस्कर हैं और सरेआम नशीला पदार्थ और जहरीली शराब बेचते हैं।

बिजली कर्मचारी देश सेवा के लिए 24 घंटे तैयार: प्रदीप लौरा

- कर्मचारियों ने लिया 24 घंटे सेवा और रक्तदान का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

भारत पाक सीमा पर तनाव के बीच शनिवार को 33 केवी आर्य नगर बिजली घर में एचएसईबी वर्कर यूनियन की एक मीटिंग हुई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश सहसचिव प्रदीप लौरा ने की।

लौरा ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में बिजली कर्मचारियों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने युद्ध जैसी स्थिति में 24 घंटे सेवा देने की बात कही यूनियन ने रक्तदान से लेकर तकनीकी सेवाएं तक के लिए उपलब्ध रहने का भरोसा दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो हम सीमा पर भी योगदान देने को तैयार हैं। योगेश जेई ने कहा कि यह एक कठिन समय है और सभी को एकजुट होकर सामना करना चाहिए। सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों का पालन करें। इस मौके पर दिनेश गिल, सतीश, संदीप, अनिल शर्मा, राजेश नागर, राधेश्याम, दिनेश, विकास, शुभम आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

हिसार। मीटिंग में चर्चा करते एचएसईबी वर्कर यूनियन के पदाधिकारी।

साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू की

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर लाखों ठगे

- साइबर ठग ने सूर्यनगर में रहने वाले एक व्यक्ति को अपने जाल में फंसाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

साइबर ठग ने सूर्यनगर में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ प्रधानमंत्री मुद्रा लोन स्कीम के नाम पर लाखों की ठगी कर ली। इस मामले में साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सूर्यनगर निवासी सुलतान ने बताया कि मैं मेहनत-मजदूरी करता हूं। गत 26 अक्टूबर 2024 को मैं मेरे मोबाइल फोन पर गुगल चला रहा था। उस समय मेरे सामने प्रधानमंत्री मुद्रा लोन की स्कीम दिखाई दी। मैंने उस पर क्लिक किया तो मेरे सामने एक फार्म खुल गया। मैंने उस फार्म में मेरी मांगी हुई डिटेल भर दी। इसके बाद 28 अक्टूबर को मेरे मोबाइल नम्बर पर एक अनजान मोबाइल नम्बर 9874671230 से कॉल आई तो उसने अपना नाम नीरज मिश्रा बताया और कहा कि आप लोन लेना चाहते हो मैंने हां कर दी। तब उसने पूछा कितने का लेना चाहते हो। उसने मुझे तीन ऑफर तीन लाख, पांच लाख, दस लाख दिए। फिर मैंने दस लाख का लोन लेने को कहा। उसने दस लाख लोन देने की हां कर दी। तब मैंने उससे पूछा कि सबसिडी कितनी मिलेगी। उसने कहा कि आपको 2,50,000 रुपये की सबसिडी मिलेगी और 7,50,000 रुपये आपको हर महीने किश्तों में भरने होंगे।

ऐसे हुआ ठगी का असाहस

शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने मेरे से कागजातों की पूर्ति करने के लिए 10,890 रुपये मांगे और उसने मेरे को एक फोन पे नम्बर दिया जो मुझे याद नहीं है। मैंने 29 अक्टूबर को उसके द्वारा दिए गए फोन पे नम्बर पर मेरे मोबाइल नंबर से 10,890 रुपये भेज दिए। उसके बाद मेरे फोन पर उसी नम्बर से कॉल आई और कहा कि आपको लोन पास हो गया है। आपको पहले दो किश्त भरनी होगी। उसके बाद आपको लोन मिल जाएगा । जो आपसे दो किश्त भरवाई जाएगी वो वापस हो जाएगी। उसके कहे अनुसार उसने अलग-अलग तारीखों में 1 लाख 89 हजार 245 रुपये फोन पे तथा बैंक खातों से उसके पास भेज दिए। शिकायतकर्ता के अनुसार बाद में उसके पास उसी व्यक्ति की कॉल आई और कहा कि आपका लोन पास हो गया। उसके बाद उसका फोन बंद आने लगा। बाद में मुझे अहसास हुआ कि उसके साथ साइबर ठगी हुई है।

खबर संक्षेप

हत्या प्रयास मामले का चौथा आरोपी गिरफ्तार

हांसी। थाना सदर हांसी पुलिस ने हत्या प्रयास मामले में आरोपी कंवारी निवासी अमित को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार विकास उर्फ विक्की ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर 3 मार्च को अपने बेटे से स्कूल में मिलने आई पत्नी व साली को जान से मारने की नियत से उन पर गोलियां चला दी थी। जिसमें आरोपी भी साथ और गोली चलाने के बाद आरोपी मुख्य आरोपियों को मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया था।

खजांचियान बाजार में चोरी का प्रयास, एसपी से गुहार

हिसार। सूरज मार्केट स्थित खजांचियान बाजार में एक ज्वैलरी की दुकान से चोरी करने की कोशिश किए जाने का समाचार है। दुकानदारों ने एसपी को शिकायत दी। चंदन सोनी, संदीप, गणेश और राजेंद्र ने कहा कि शुक्रवार को दो चोरों ने बाजार में शिवम आभूषण भंडार, आरडी ज्वैलर्स, अनिल ज्वैलर्स सहित अन्य दुकानों पर शटर उखाड़कर चोरी करने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। चौकीदार मौके पर पहुंच गया था, जिससे चोर भाग निकले। दोनों चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। उन्होंने पुलिस से मांग की कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने और रात को एक पुलिस राइडर की ड्यूटी लगाई जाए ताकि बाजार में होने वाली चोरी की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

चेक बाउंस में आर्किटेक्ट को हर्जाना देने के आदेश

हिसार। जुडिशियल मैजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास की अदालत ने शहर के नामी आर्किटेक्ट अर्बन एस्टेट निवासी अनुज मल्होत्रा को चेक बाउंस होने के मुकदमे में तीन लाख पच्चीस हजार रुपये की राशि हर्जाना सहित देने के साथ दोषी को एक महीने का कारावास भी सुनाया है। अदालत में चले अभियोग के अनुसार आर्किटेक्ट अनुज मल्होत्रा ने राजगुरु मार्केट निवासी रवि महता एडवोकेट से 20 दिसम्बर 2017 को दो लाख पचास हजार रुपये का कर्ज लिया हुआ था। इसकी अदायगी के लिए उसने अढ़ाई लाख रुपये का चेक दिया था। बैंक में चेक लगाने पर चेक बाउंस हो गया।

जेबीटी शिक्षक के साथ 3.70 लाख की धोखाधड़ी

हिसार। पुलिस ने एचडीएफसी लाइफ इंशोरेंस करने वाले युवक रमेश कुमार ताखर निवासी बालसमंद पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। उस पर गांव बालसमंद गांव में रहने वाले जेबीटी शिक्षक सुंदर सिंह ने रमेश कुमार पर 3 लाख 70 हजार रुपये हड़पने का आरोप लगाया है।

मातृ दिवस पर जिलेभर में कार्यक्रमों की रही धूम, कहीं प्रतियोगिता तो कहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

श्री काली देवी विद्या मंदिर में भाषणों कविताओं व नृत्य से प्रकट की श्रद्धा

ओम इंटरनेशनल स्कूल पीसीएसडी व एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में कार्यक्रमों का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

हांसी। श्री काली देवी स्कूल में मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे फोटो : हरिभूमि

श्री काली देवी विद्या मंदिर में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक भावपूर्ण एवं हृदयस्पर्शी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने कविताओं, भाषणों, नृत्यों एवं लघु नाटकों के माध्यम से मां के प्रति अपनी श्रद्धा व कृतज्ञता को अभिव्यक्त किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के उपरांत विद्यालय प्रांगण विविध सृजनात्मक गतिविधियों का साक्षी बना। कक्षा नर्सरी, एलकेजी एवं केजी के नन्हे- मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी निश्छल वाणी में मातृवंदना से परिपूर्ण कविताएं प्रस्तुत कीं। कक्षा पहली व दूसरी के विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे कागजों से सजीव पुष्पों की रचना की।

कक्षा तीसरी व चौथी के विद्यार्थियों ने पर्यावरण अनुकूल सामग्री से आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड बनाए, कक्षा पांचवीं व छठी के सृजनशील बच्चों ने सुंदर मुकुट बनाकर मातृत्व के गौरव को नमन किया। कक्षा सातवीं व आठवीं के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता "मां का संघर्ष, हमारी मुस्कान के लिए" विषय पर आधारित थी, जिसमें विद्यार्थियों ने माँ के त्याग, समर्पण और अथाह प्रेम को सशक्त स्वर प्रदान किया। कक्षा नौवीं व दसवीं के विद्यार्थियों ने भावपूर्ण पत्र लेखन के माध्यम से माँ के प्रति अपनी आत्मीयता, सम्मान एवं संवेदनशीलता को अभिव्यक्त किया।

कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक दृष्टि से प्रेरित होकर माँ को समर्पित कलात्मक फोटोग्राफिक कोलाज निर्मित किए। अंत में विद्यालय प्रचार्या गीता मेहता ने अपने प्रेरणाप्रद संबोधन द्वारा विद्यार्थियों को मातृत्व के प्रति श्रद्धा, सेवा और कर्तव्यबोध का वास्तविक अर्थ समझाते हुए उनका सम्मान करने का आह्वान किया।

हिसार। मातृ दिवस पर प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ओम स्कूल में मनाया मातृ दिवस

हिसार। ओम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय ने विद्यार्थियों की माताओं को आमंत्रित किया, जिससे परिसर मां के स्नेह और बच्चों की खुशी से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और वाइस चांसलर डॉ. पूनम गोयल रहे, जिन्होंने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि ने भी सभी माताओं को मातृ दिवस की हार्दिक बधाई दी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के प्रति अपना प्यार और सम्मान विभिन्न मनोरम , संस्कृति प्रस्तुति के माध्यम से व्यक्त किया। सामूहिक गान, हृदयस्पर्शी नाटक और मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुति से सभी उपस्थित लोगों का मन आनंदित हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य केएल गोस्वामी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए माता की ममता, त्याग और प्रेम की गहराई को सराहा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने मातृ दिवस के इस पावन अवसर पर सभी माताओं और कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

प्रतियोगिता मेंदिल्ली पब्लिक स्कूल की टीम।

डीपीएस की टीम ने अंतर विद्यालय 'झंकार' नृत्य प्रतियोगिता में रही तृतीय, किया सम्मान

हिसार। दिल्ली पब्लिक स्कूल की नृत्य टीम ने ओ.पी. जिंदल मॉडर्न स्कूल में आयोजित द्विदिवसीय अंतर विद्यालय नृत्य प्रतियोगिता 'झंकार' में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया और जूनियर वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हरियाणा के 27 प्रमुख विद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्र कलाकारों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि सीनियर वर्ग में भी दिल्ली पब्लिक स्कूल, हिसार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी पहचान बनाई है। दिल्ली पब्लिक स्कूल, की टीम ने भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रदर्शन करते हुए मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी ऊर्जावान मुद्राओं, आकर्षक तालमेल और सुंदर वेषभूषा के साथ नृत्य की गहराई और जीवंतता को दर्शाया। विद्यालय प्रधानाचार्या ने मंजु सुधाकर विभागाध्यक्ष दीपक मदान एवं डांस टीचर दीपक सपरा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली पब्लिक स्कूल, हिसार की नृत्य टीम ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, अनुशासन और सच्चे समर्पण से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

पीसीएसडी और एलडीएसडी स्कूल में भी कार्यक्रम

हांसी। पीसीएसडी व एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में शनिवार को मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में समाजसेविका नीतू जैन व आशु जैन ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता दोनों विद्यालयों की सचिव रेणु बंसल व आरजू सिंगला ने की। विद्यालय प्राचार्या उर्मिला शर्मा ने मातृ शक्ति का स्वागत करते हुए कहा मां भले ही पढ़ी लिखी हो या ना हो, पर दुनिया का दुर्लभ व महत्वपूर्ण ज्ञान हमें मां से ही प्राप्त होता है। इस अवसर पर छात्र छात्रों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय कै कक्षा 12 वी के छात्र अरुण कुमार ने मां के लिए भावपूर्ण गीत मां तू कितनी अच्छी है, तू कितनी प्यारी है गा कर कार्यक्रम को मां की याद में भाव विभोर कर दिया ।

सीवर लाइन के कार्य का किया निरीक्षण

- आदमपुर की हर समस्या के समाधान को हैं प्रयासरत : विधायक चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आदमपुर

आदमपुर। जनता दरबार में हलकावासियों की समस्याएं सुनते विधायक चंद्रप्रकाश।

विधायक चंद्रप्रकाश ने आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनता दरबार आयोजित करके हलकावासियों की समस्याएं सुनी और अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया। अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों से बातचीत करके निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने आदमपुर के क्रांति चौक में चल रहे सीवर लाइन के कार्य का निरीक्षण किया।

विधायक चंद्रप्रकाश ने आदमपुर की शिव कॉलोनी में स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में रिटायर्ड कर्मचारी संघ के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्हें पगड़ी पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। विधायक ने कहा कि 24 घंटे आपके बीच रहकर आदमपुर की हर समस्या के निदान के लिए प्रयासरत हूं। उन्होंने बताया कि आदमपुर के हक की आवाज उन्होंने विधानसभा में भी उठाई है। इस दौरान कृष्ण जगाण, अमरजीत सिंह, केशराज दिनोदिया, भूपेंद्र कासनियां, राजवीर बेनीवाल, सिराजुद्दीन मिर्जा, राजकुमार जांगड़ा, वीर सिंह, कृष्ण राहड़, सजन मित्तल व कृष्ण छिंपा सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गोरखनाथ कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम

'ऑपरेशन सिंदूर' के शहीदों के लिए निकाली भव्य तिरंगा रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। तिरंगा यात्रा निकालते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत देश के वीर सैनिकों को सम्मान देने के उद्देश्य से एक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक कुमार सैनी के निर्देशन में आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने पूरे जोश और उमंग के साथ भाग लिया। डॉ. कुमारी सरोज, डॉ. वंदना गोयल, नागेंद्र सिंह तोमर, सुमन रानी, डॉ. रामचंद्र, डॉ. चंद्रकांत, डॉ. जीत बाला, डॉ. ज्योति सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मंदबुद्धि महिला को परिवार से मिलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। महिला को परिजनों के हवाले करते आश्रम के पदाधिकारी व सदस्य।

महिला एवं यूथ उत्पीड़न निवारण मंच की ओर से संचालित हमारा प्रयास मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम की टीम ने पंजाब के पटियाला की महिला को उसके परिजनों से मिलवाया। यह महिला लगभग 15 माह पहले परिजनों से बिछुड़ गई थी। आश्रम पदाधिकारियों ने बताया कि पटियाला निवासी पूनम पत्नी बिंदा 12 फरवरी 2024 को हिसार रेलवे पुलिस की सूचना के माध्यम से रेलवे स्टेशन से रेस्क्यू करके आश्रम में लाया गया। उसकी लगातार 15 महीना से ही दिमाग की दवाइयां चल रही थी। लंबे प्रयास के बाद अभी पांच दिन पहले ही पूनम ने खुद के व परिवार के बारे में आश्रम पदाधिकारियों को बताया कि वह चार बच्चों की मां है और पति शराब पीने के कारण घर में रोज मार पिटाई करता था जिसकी वजह से झगड़ा करके वह घर से निकल गई थी। आश्रम की टीम से अनिल बागड़ी द्वारा डायल 112 के इंचार्ज इंस्पेक्टर जसपाल खेर, चंडीगढ़ पुलिस से पूनम बारे में बातचीत की। दो दिन के लगातार प्रयास से पूनम के परिवार के बारे में पता चल गया। आश्रम की टीम व डायलॉग 112 के इंचार्ज जसपाल खेर व चंडीगढ़ पुलिस के प्रयासों से पूनम उर्फ राज को आश्रम की टीम ने उसके परिवार के सुपुर्द किया।

जिंदल स्टेनलेस ने जारी किए वित्तीय परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही व वित्तीय वर्ष के वित्तीय परिणाम घोषित किए। कंपनी ने 23,73,070 टन की बिक्री दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2024 की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। एकल आधार पर, शुद्ध राजस्व में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 40,182 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2025 में एबिट्ड 3,905 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत कम है, जबकि कर पश्चात लाभ 2,711 करोड़ रुपये रहा, जिसमें साल दर साल 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। निरंतर और मज़बूत घरेलू मांग की वजह से, चौथी तिमाही वित्त वर्ष 25 में बिक्री मात्रा बढ़कर अब तक के सर्वोच्च स्तर 6,42,641 टन पर पहुंच गई, जो साल दर साल 13 प्रतिशत की वृद्धि है। इस दौरान एकल शुद्ध राजस्व 13 प्रतिशत बढ़कर 10,786 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिट्ड में भी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025 में स्टेनलेस स्टील की घरेलू मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने कहा कि पिछला वित्तीय वर्ष हमारे लिए एक अहम साल रहा, जिसने हमारे घरेलू बाज़ार में मज़बूत स्थिति बनाने और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने का लक्ष्य पूरा किया। इंडोनेशिया में हमारी एनपीआई सुविधा का जल्दी चालू होना, क्रोमेनी स्टील्स का पूरी तरह अधिग्रहण करना है।

पूर्व मंत्री ने किया अग्रोहा टीले का दौरा, पुरातात्विक उत्खनन कार्य का लिया जायजा

अग्रोहा टीला न सिर्फ अग्रवाल समाज बल्कि पूरे हरियाणा व देश की ऐतिहासिक धरोहर : डॉ. गुप्ता

अपने इतिहास को जानने और समझने का अवसर मिलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। अग्रोहा टीले पर उत्खनन कार्य का जायजा लेते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता।

पूर्व मंत्री व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. कमल गुप्ता ने ऐतिहासिक अग्रोहा टीले का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ पार्टीजन भी साथ रहे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) द्वारा अग्रोहा टीले पर उत्खनन का कार्य चलाया जा रहा है। इस कार्य का उद्देश्य इस क्षेत्र की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व को उजागर करना है। अग्रोहा नगरी को व्यापार और संस्कृति का प्राचीन केंद्र माना जाता है। अग्रवाल समाज इसे अपनी मूल भूमि और महाराजा अग्रसेन को अपना पूर्वज मानता है।

डॉ. कमल गुप्ता ने पुरातत्व विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अग्रोहा टीला न सिर्फ अग्रवाल समाज बल्कि पूरे हरियाणा और देश की ऐतिहासिक धरोहर है। यह उत्खनन कार्य न केवल प्राचीन सभ्यता के प्रमाणों को सामने लाएगा, बल्कि क्षेत्र की गौरवशाली विरासत को भी नई पहचान देगा। इससे युवाओं को अपने इतिहास को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। पुरातत्व विभाग की ओर से उड़ीसा से नियुक्त डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. अखरीता प्रधान ने आए हुए प्रतिनिधिमंडल को उत्खनन की जानकारी दी। अभी तक के उत्खनन में मानव कंकाल, मनके, प्राचीन ईंटों, सिक्कों, मिट्टी के बर्तन, मूर्तियों और अन्य ऐतिहासिक अवशेष प्राप्त हुए हैं। डॉ.अखरीता प्रधान ने बताया कि उत्खनन कार्य के अगले चरणों में और अधिक गहराई तक खुदाई कर सभ्यता के विभिन्न चरणों की जानकारी प्राप्त की जाएगी। इससे यह प्रमाणित करने में मदद मिलेगी कि अग्रोहा वास्तव में एक प्राचीन नगर था, जिसकी आर्थिक और सांस्कृतिक समृद्धि ने उसे ऐतिहासिक मानचित्र पर विशिष्ट स्थान दिलाया था।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. प्रतिमा गुप्ता, सुरेश गोयल धूप वाला, रामचंद्र गुप्ता, नरेश सिंगल, सुनील चाय पत्ती वाला, विजय नागपाल, दीनदयाल गोरखपुरिया, मनोज बुडाकिया, महावीर जांगड़ा, कृष्ण बिश्नोई, दीपक अग्रवाल, रंजीव राजपाल, प्रोमिला पुनिया, शंकर गोस्वामी, सतीश, धर्मवीर पानू, राहुल, अनिल कौशिक

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

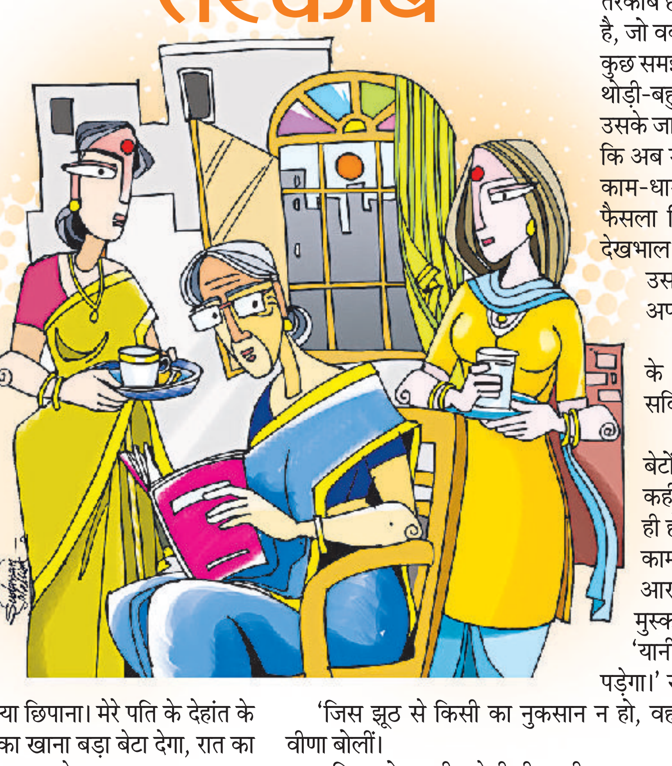

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर मैं उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल
नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजन: माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभव: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसास: यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलक: राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षण: माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजा: राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानी: माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट

विवेक कुमार

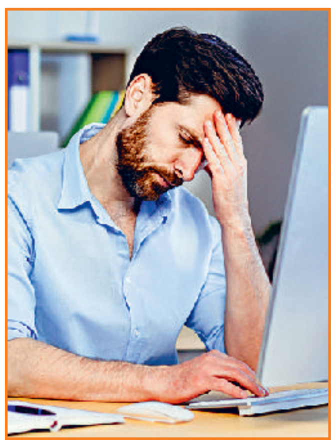

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है
वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैं: ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैं: वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैं: कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्त: लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसले: लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाज: किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैं: जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर

शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख: ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसित: हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशेष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गम: सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रम: भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारी: डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया
फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

अचला सचदेव

दीना पाठक

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडिया: जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा राय: निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतन: अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

रीमा लागू

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागू: नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया।

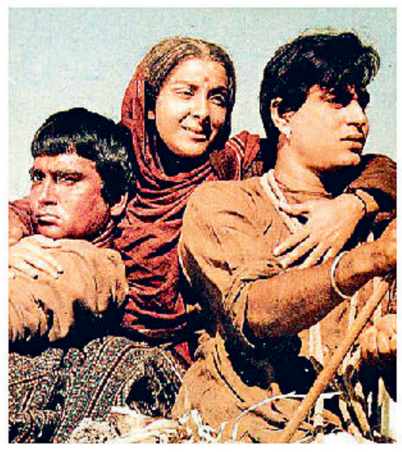
'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

हजार चौरासी की मां जया बच्चन: जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

जया बच्चन

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएं: इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *